उत्तराखण्ड सरकार
मा.मुख्यमंत्री प्रेस सूचना ब्यूरो
(सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग)
सचिवालय परिसर, सुभाष रोड, देहरादून
E-mail : infodirector.uk@gmail.com
Website : www.uttarainformation.gov.in

देहरादून 06 मार्च, 2019 (सू.ब्यूरो) प्रेस नोट–10(03/36)

युवा उत्तराखण्ड–उद्यमिता एवं रोजगार की ओर कार्यक्रम 2019

उद्घाटन सत्र

युवाओं को राज्य की प्रगति से जोड़ने के उद्देश्य से आज दिनांक 06 मार्च 2019 को परेड ग्राउण्ड में युवा उत्तराखण्ड उद्यमिता एवं रोजगार की ओर 2019 कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसका उद्घाटन माननीय मुख्यमंत्री श्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। आयोजन में राज्य के समस्त क्षेत्रों से उपस्थित लगभग 15000 युवाओंको सम्बोधित करते हुए माननीय मुख्यमंत्री द्वारा पर्यटन, उद्योग, आधारभूत ढ़ाचें, परिवहन, ऊर्जा आदि महत्वपूर्ण सेक्टरों में विगत दो वर्षो में किये गये महत्वपूर्ण कार्यो का विवरण प्रस्तुत करते हुए उन क्षेत्रों में किये गये कार्यो से रोजगार/स्वरोजगार/उद्यमशीलता पर हुए सकारात्मक प्रभाव के बारे में अवगत कराया गया। इसके अतिरिक्त प्रत्येक जनपद मुख्यालय में 13000 से अधिक युवा लाईव स्ट्रीमिंग के माध्यम से सीधे कार्यक्रम से जुड़े माननीय मुख्यमंत्री जी द्वारा राज्य से हो रहे पलायन, केन्द्र सरकार के सहयोग से राज्य में स्थापित की जा रही रेल/सड़क/विमामन परियोजनाओं के बारे में भी विस्तार से उल्लेख किया गया तथा इनसे भविष्य में उत्पन्न होने वाली रोजगार की सम्भावनों के सम्बन्ध में भी सम्बोधित किया गया। मुख्यमंत्री जी द्वारा यह भी अवगत कराया गया कि विगत इन्वेस्टर समिट में हस्ताक्षरित किये गये एम0ओ0यू0 में से लगभग 13000 करोड़ के कार्य धरातल पर प्रारम्भ कर दिये गये है।मुख्यमंत्री जी द्वारा सरकार की कार्य प्रणाली में निष्पक्षता/पारदर्शिता के साथ युवाओं से सवांद स्थापित करते हुए नीतिगत निर्णय लिए जाने के लिए युवा उत्तराखण्ड एप भी प्रारम्भ किया गया। मुख्यमंत्री जी द्वारा अपने सम्बोधन के पश्चात राज्य के विभिन्न भागों से कतिपय युवाओं के प्रश्नों का उत्तर भी दिया गया। कार्यक्रम में माननीय वित्त मंत्री जी, माननीय कौशल विकास एवं सेवायोजन मंत्री जी, माननीय शहरी विकास मंत्री जी, माननीय उच्च शिक्षा मंत्री जी, माननीय महिला सशक्तिकरण बाल विकास मंत्री जी, विधायकगण, मुख्य सचिव, डी0जी0पी0, अपर मुख्य सचिव, विभागीय प्रमुख सचिव/सचिव/अपर सचिव के साथ विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

माननीय उच्च शिक्षा मंत्री डॉ0 धन सिंह रावत जी द्वारा कार्यक्रम के आयोजन का उद्देश्य एवं रूपरेखा का विवरण दिया गया। विशेष रूप से आमंत्रित ओयो कम्पनी के सी0ई0ओ0 श्री आदित्य घोष एवं सम्पर्क फाउण्डेशन के संस्थापक श्री विनित नायर द्वारा अपने अनुभवों को सांझा करते हुए युवाओं द्वारा अपनी क्षमताओं को आंकलित करते हुए दृढ़ निश्चय के साथ अपने लक्ष्य की प्राप्ति के लिए लगातार निरन्तर प्रयासरत रहने का आह्यवन किया गया जिससे उनके व्यक्तिगत उन्नयन के साथ राज्य की प्रगति में भी भागीदारी सुनिश्चित की जा सके। माननीय मुख्यमंत्री जी द्वारायुवा उत्तराखण्ड एप लॉन्च की गई जिस पर युवाओं को रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसर की जानकारी उपलब्ध करायी जायेगी। राज्य सरकार द्वारा प्रदेश के युवाओं को विभिन्न सरकारी योजनाओं के माध्यम से उपलब्ध कराये जा रहे रोजगार/स्वरोजगार के अवसरों का एक संकलन युवा उत्तराखण्ड उद्यमिता एवं रोजगार की ओर बुकलेट के रूप में किया गया है जिसका विमोचन भी माननीय मुख्यमंत्री जी द्वारा किया गया।

आयोजन में कृषि एवं कृषि सम्बन्धित क्षेत्र तथा सहकारिता, सूचना एवं प्रौद्योगिकी व सूचना प्रौद्योगिकी सक्षम सेवाऐं (IT/ITes)एवं सेवा क्षेत्र, पर्यटन एवं सम्बन्धित क्षेत्र तथा एम0एस0एम0ई0/उद्यशीलता/स्आर्टअप्सक्षेत्रों के सम्बन्ध में विभिन्न विशेषज्ञों तथा सम्बन्धित विभाग के सचिव/प्रमुख सचिव तथा विभागीय मंत्री के साथ प्रतिभागी युवाओं के चार सेक्टोरल सत्रों का आयोजन भी किया गया।

जॉब कांउसिलिंग

कार्यक्रम के अन्तर्गत जॉब काउसिंलिंग में लगभग 2500 युवाओं द्वारा विभिन्न औद्योगिक स्टालों पर भ्रमण कर उद्योग क्षेत्र में उपलब्ध रोजगार के अवसरों की जानकारी प्राप्त की गयी। मेले में 56 औद्योगिक इकाईयों ने प्रतिभाग कर अपने स्टॉलों के माध्यम से अपनी कम्पनी में उपलब्ध रोजगार अवसरों, न्यूनतम चयन मापदण्ड़ों एवं आवश्यक कौशल की जानकारी प्रदान की गयी। कार्यक्रम का उद्घाटन डॉ0 हरक सिंह रावत, माननीय मंत्री, कौशल विकास एवं सेवायोजन द्वारा किया गया। मा0 मंत्री जी के द्वारा युवाओं को कौशल प्रशिक्षण प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया गया। इस अवसर पर सचिव, कौशल विकास एवं सेवायोजन द्वारा अपने सम्बोधन में युवाओं से इस अवसर का लाभ उठाने की सलाह दी गयी। कार्यक्रम में कॅरियर परामर्श हेतु कार्यक्रम में उपस्थित डॉ0 प्रीति धवन, एसोसिऐट प्रोफेसर, लेडी श्रीराम कालेज फॉर वूमेन, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा विस्तार में कॅरियर के विभिन्न आयामों पर चर्चा की गयी तथा विभिन्न उदाहरण देकर कॅरियर परामर्श दिया गया। कॅरियर परामर्श के द्वितीय सत्र में स्किल साथी द्वारा संक्षप्ति परामर्शी सम्बोधन दिया गया। DDUGKY, PMKVY तथा औद्योगिक ईकायों के प्रतिनिधियों द्वारा अपने कार्यक्रमों एवं गतिविधियों के संबंध में जानकारी प्रदान की गयी। निदेशक सेवायोजन द्वारा सभी औद्योगिक इकाईयों का आभार व्यक्त करते हुए यह आशा व्यक्त की गयी कि भविष्य में इसी प्रकार से मिलकर युवाओं के हित में कार्य करने की आवश्यकता है। इस अवसर पर विभिन्न सेक्टर स्किल काउसिंल के प्रतिनिधियों द्वारा अपने–अपने स्टालों में सेक्टर

विशेष में उपलब्ध रोजगार एवं कौशल प्रशिक्षण अवसरों की जानकारी प्रदान की गयी। इस आयोजन में शामिल होने के लिए 620 अभ्यर्थियों द्वारा पंजीयन/कॅरियर परामर्श फार्म भर कर अपनी कॅरियर अभिरूचि प्रर्दिशत की गयी। इस अवसर पर नोडल अधिकारी, उत्तराखण्ड कौशल विकास मिशन एवं उपनिदेशक सेवायोजन श्रीमती चन्द्रकान्ता, श्री अजय सिंह, क्षेत्रीय सेवायोजन अधिकारी, श्री प्रवीण चन्द्र गोस्वामी, सेवायोजन अधिकारी, श्रीमती ममता नेगी चौहान, सेवायोजन अधिकारी, श्रीमती विनीता बडोनी, सेवायोजन अधिकारी, श्री राजेन्द्र वल्दिया, यंग प्रोफेशनल आदि सहित सेवायोजन विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहें।

कृषि एवं सम्बन्धित क्षेत्र/सहकारिता क्षेत्र

कृषि एवं सम्बन्धित क्षेत्र/सहकारिता के सेक्टोरल सत्र की अध्यक्षता कृषि मंत्री जी द्वारा की गई जिसमें माननीय विधायक श्री मुन्ना सिंह चौहान विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे। सचिव सहकारिता श्री आर0 मीनाक्षी सुन्दरम् एवं सचिव कृषि श्री सेन्थिल पाण्डियन द्वारा अपने सम्बोधन में कृषि के क्षेत्र में सरकार द्वारा किये जा रहे विशेष प्रयास एवं योजनाओं की जानकारी दी गई। सत्र में डॉ0 वैभव भमोरिया, प्रो0 आई0आई0एम0 काशीपुर, श्री कौशलेन्द्र कुमार, कौशल्या फाउण्डेशन, श्री रूपेश राय, सस्थापक निदेशक, ग्रीन पीपुल, श्री सुमित लखोटिया, द गोल्डन टस्क, श्री मनोज जोशी, ऑर्गानिक फॉर्मिंग तथा श्रीमति स्वाती पाण्डेय, सी0ई0ओ0 अरबोरियल द्वारा कृषि एवं सम्बन्धित क्षेत्रों में स्वरोजगार के अवसरों की उपलब्धता पर विशेष सम्बोधन किया गया। माननीय मंत्री जी द्वारा अपने सम्बोधन में युवाओं से कृषि के क्षेत्र में आगे आने तथा सरकार की योजनाओं का लाभ स्वयं एवं समाज को देने हेतु प्रयास करने पर जोर दिया गया तथा राज्य की विशेष भौगोलिक परिस्थितियों के दृष्टिगत जैविक कृषि के क्षेत्र में उद्यम स्थापित करने हेतु प्रेरित किया गया।

एम0एस0एम0ई0/उद्यमशीलता/स्आर्टअप्स क्षेत्र

एम0एस0एम0ई0/उद्यमशीलता/स्आर्टअप्स क्षेत्रों के सेक्टोरल सत्र की अध्यक्षता वित्त मंत्री जी द्वारा की गई। प्रमुख सचिव, एम0एस0एम0ई0 श्रीमति मनीषा पंवार अपने प्रारम्भिक सम्बोधन में युवाओं को एम0एस0एम0ई0/उद्यशीलता/स्आर्टअप्स क्षेत्र में आगे आने हेतु प्रेरित किया गया। सचिव ऊर्जा श्रीमति राधिका झा द्वारा वैकल्पिक ऊर्जा के क्षेत्र में हो रहे निवेस एवं सरकार द्वारा किये जा रहे प्रयासों के बारे में युवाओं को जानकारी दी तथा युवाओं से वैकल्पिक ऊर्जा के क्षेत्र में छोटे–छोटे उद्यम जिनमें आय की सम्भावना अधिक है, में युवाओं को आगे आने हेतु प्रेरित किया। सत्र में श्री विकास गर्ग, फोरेस इन्डस्ट्री, डॉ0 कमल किशोर शर्मा, उद्यमी, श्री मयूर सेठी, विटीभिट श्री प्रनव कुकरेती, ट्रैक्स एण्ड रैपिड एवं श्री के0एस0 भाटिया, पम्पकार्ट मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित थे जिनके द्वारा अपने अनुभव युवाओं से सांझा करते हुए उन्हे उद्यमिता के क्षेत्र में आगे आने को प्रेरित किया गया। सत्र का संचालन निदेशक उद्योग श्री एस0सी0 नोटियाल द्वारा किया गया।

टूरिज्म एवं सम्बन्धित क्षेत्र

टूरिज्म एवं सम्बन्धित क्षेत्र सेक्टोरल सेसन, श्री अमित सिंह नेगी, सचिव पर्यटन उत्तराखण्ड सरकार द्वारा स्वागत सम्बोधन के साथ प्रारम्भ हुआ। श्री नेगी जी द्वारा टूरिज्म के क्षेत्र में खासकर एडवेन्चर, पैराग्लाईडिंग एवं रिवर राफ्टिंग मे युवाओं के भविष्य में रोजगार की सम्भावनाओं से अवगत कराया। तथा इसमें वर्तमान में चल रही कौशल विकास योजनाओं की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया।

श्री नितिन राणा, सहसंस्थापक, ईगल आई एडवेन्चर ने जीवन में युवाओं को लक्ष्य निर्धारित करने की अपील की तथा उसको प्राप्त करने हेतु जी जान से जुडने का आवाहन किया।

श्री विजय बिश्ट, मैनेजिंग डायरेक्टर, डिवाईन रिजार्ट एवं स्पा, ऋशिकेष, कर्नल मनोज कुमार, एडवेन्चर स्पोर्ट एवं श्री प्रतीक काला, संस्थापक, लिटिल जेगुआर कैम्प, कानाताल द्वारा उत्तराखण्ड में टूरिज्म की अपार सम्भावनाओं से अवगत कराया। साथ ही टूरिज्म सैक्टर में उभरते जॉब रोल्स को भविश्य में रोजगार प्राप्त करने हेतु बहुत महत्वपूर्ण बताया।

श्री मदन कौशिक, कैबिनेट मन्त्री, उत्तराखण्ड सरकार द्वारा युवाओं को एडवेन्चर टूरिज्म, स्पा एवं वेल्नेस सैक्टर में युवाओं के लिए रोजगार प्राप्त करने की सम्भावनाओं से अवगत कराया तथा युवाओं से टूरिज्म सैक्टर में अपना हुनर निखारने एवं रोजगार प्राप्ति के प्रयास करने हेतु प्रेरित किया गया। उन्होने बताया कि वर्तमान में टूरिज्म सैक्टर, खासकर उत्तराखण्ड राज्य में उभरता हुआ क्षेत्र है। जिसमें युवा रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसरों को प्राप्त कर सकते है।

सूचना प्रौद्योगिकी एवं सेवा क्षेत्र

सूचना प्रौद्योगिकी एवं सेवा क्षेत्र में श्री आर0 के0 सुधांषु, सचिव सूचना प्रौद्योगिकी, उत्तराखण्ड षासन द्वारा प्रदेष में सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में अब तक किये गये कार्यों से अवगत कराया तथा युवाओं को बताया कि सूचना प्रौद्योगिकी एक प्रगतिषील क्षेत्र है जिसमें युवाओं को अपने ज्ञान का संवर्धन वर्तमान परिपेक्ष्य में किया जाना आवष्यक है। सरकार द्वारा प्रदेष के प्रत्येक गांव को शीघ्र ही ब्रोडबैण्ड सेवाओं से जोडा जायेगा जिससे सूचना प्रौद्योगिकी की अत्याधुनिक तकनीक प्रदेष के अन्तिम छोर तक उपलब्ध होगी। श्री धीरज डोलवानी, सी0ई0ओ0, ग्रामीण बी0पी0ओ0 के द्वारा यह अवगत कराया गया कि प्रदेश के पर्वतीय एवं दुर्गम क्षेत्र के युवा भी सूचना प्रौद्योगिकी के प्रयोग से विदेषी कम्पनियों/उपभोक्ताओं को बी0पी0ओ0 से सम्बन्धित अपनी सेवाऐं घर बैठे दे सकते है। इससे रोजगार के नये अवसर उपलब्ध होगें तथा प्रदेष के युवाओं की आर्थिकी में भी वृद्धि होगी।

श्री बिजेन्द्र चौहान, सी0ई0ओ0 ईवोन टेक्नोलॉजी, उत्तराखण्ड, श्री अमित दूबे, उप मुख्य तकनीकि अधिकारी, टेक महिन्द्रा एवं श्री निहार रंजन, सी0ई0ओ0, ईकोनर्चर कन्सल्टेन्सी द्वारा युवाओं को बताया गया कि सेवा क्षेत्र एक

तेजी से बढता हुए रोजगार परक क्षेत्र है जिसमें युवा विभिन्न विधाओं में कौषल विकसित कर रोजगार प्राप्त कर सकते है।

श्री अमित सिन्हा, निदेषक आई0टी0डी0ए0 द्वारा सूचना प्रौद्योगिकी सक्षम सेवाओं में उपलब्ध सुविधाओं एवं योजनाओं के सम्बन्ध में जानकारी प्रदान की तथा बताया कि वर्तमान में सूचना प्रौद्योगिकी के प्रयोग को देखते हुए युवा क्लाउड सेवाओं सम्बन्धी सेवायें भी प्रदान कर सकते है जो कि उद्योगों के लिए आज के समय में अति आवष्यक सेवाओं में से एक है।

औद्योगिक प्रर्दशनी

युवाओं के मार्ग दर्शन हेतु इस कार्यक्रम में औद्योगिक प्रर्दशनी भी लगाई गई जिसमें राज्य में औद्योगिक क्षेत्र में स्वरोजगार एंव रोजगार के अवसरों को प्रदर्शित किया जायेगा। इस प्रर्दशनी में रोजगार एवं स्वरोजगार से जुड़े विभागों/अधिष्ठानों द्वारा स्टॉल लगाकर युवाओं को जानकारी प्रदान की गई।

सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग

देहरादून 06 मार्च, 2019 (सू.ब्यूरो) प्रेस नोट–09(03/35)

मुख्यमंत्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत ने बुधवार को मालवीय उद्यान कोटद्वार में विभिन्न विकास योजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास के साथ ही कार्बेट टाईगर रिजर्व के अन्तर्गत पाखरौ ईकोटूरिज्म जोन का भी उद्घाटन किया। उन्होंने कर्मचारी राज्य बीमा निगम सुपर स्पेशलिटी चिकित्सालय (मेडिकल कालेज) के निर्माण कार्य का शुभारम्भ तथा राज्य योजना एवं एससीएसपी योजना के अन्तर्गत विभिन्न योजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने उत्तराखंड भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड से 26 लोगों को विवाह हेतु आर्थिक सहायता, 05 को प्रसूति सुविधा सहायता, 10 को सिलाई मशीन, 10 को सोलर लालटेन तथा 10 लोगों को साईकिल वितरित की गई। मुख्यमंत्री ने कोटद्वार में अधिवक्ता चैंबर निर्माण के लिए एक करोड़ 40 लाख देने की भी घोषणा की।

मुख्यमंत्री ने जिन योजनाओं का लोकार्पण किया उनमें ग्राम सभा दुर्गापुर के अन्तर्गत श्री ताडकेश्वर नगर में विभिन्न सम्पर्क मार्गों व पदमपुर मोटाढांग के अन्तर्गत सूर्जी वैडिंग प्वाईंट से मोहननगर तक पीसी द्वारा सुदृढीकरण कार्य तथा लालढांग– चिल्लरखाल मोटर मार्ग सुदृढीकरण कार्य के अन्तर्गत चमरिया स्रोत पर आरसीसी सेतु का निर्माण कार्य का लोकार्पण किया गया। मुख्यमंत्री द्वारा नमामि गंगे परियोजना के अन्तर्गत सिद्धबली गंगा वाटिका, सिंचाई विभाग की नाबार्ड के अन्तर्गत विकासखण्ड यमकेश्वर में 20 पर्वतीय नहरों के पुनर्निर्माण/आधुनिकीकरण की योजना लागत रूपये 446.01 लाख, कोटद्वार शहर के मध्य नाले से बाढ सुरक्षा कार्यों की योजना लागत रूपये 482.49 लाख, कोटद्वार के अन्तर्गत स्व. श्री चन्द्रमोहन सिंह नेगी संयुक्त चिकित्सालय से मेडिकल कॉलेज कलालघाटी तक मोटर मार्ग में 20मी., 90मी. स्पान डबल लेन आरसीसी सेतु निर्माण कार्य के अन्तर्गत 30मी. स्पान डबल लेन आरसीसी सेतु का निर्माण कार्य लागत रूपये 182.66 लाख, स्व. श्री चन्द्रमोहन सिंह नेगी संयुक्त चिकित्सालय से मेडिकल कॉलेज कलालघाटी तक मोटर मार्ग में 90मी. स्पान डबल लेन आरसीसी सेतु निर्माण कार्य लागत 482.32 लाख, कोटद्वार–कालागढ़–पाखरौ मोटर मार्ग का पीसी द्वारा नवीनीकरण कार्य लागत 188.05 लाख, कौड़िया (काशीरामपुर) में विभिन्न मार्गों का इण्टर लॉकिंग टाईल्स द्वारा निर्माण कार्य लागत 143.31 लाख, विशनपुर मुख्य सड़क से रतनपुर–जीतपुर के रौले तक मोटर मार्ग का निर्माण कार्य लागत 154.07 लाख, लालपानी क्षेत्र में विभिन्न मोटर मार्गों का पीसी एवं इण्टर लॉकिंग टाईल्स द्वारा सुदृढीकरण का कार्य लागत 101.18 लाख, ग्राम सभा दुर्गापुर के अन्तर्गत श्री ताड़केश्वर नगर में विभिन्न सम्पर्क मार्गों का पीसी द्वारा सुदृढीकरण का कार्य लागत 110.04 लाख, मनकामेश्वर मंदिर–कुम्भीचौड़ तिराह–लालपानी–सनेह मोटर मार्ग का पीसी एवं इण्टर लॉकिंग टाईल्स द्वारा सुदृढीकरण का कार्य लागत रूपये 279.94 लाख का शिलान्यास किया गया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री श्री त्रिवेन्द्र ने कहा कि कोटद्वार में हुए शिलान्यास कार्यक्रमों के बाद लंबित तथा बहुप्रक्षित योजनाओं के निर्माण कार्यों को शीघ्र पूरा करने का रास्त साफ हो गया है। जिससे क्षेत्र के साथ– साथ राज्य का विकास तथा युवाओं को रोजगार के अवसर भी प्राप्त होंगे। उन्होंने कहा कि युवाओं के लिए राज्य में स्थापित बहुराष्ट्रीय कम्पनियों में आज रोजगार मुहैया कराने में प्राथमिकता दी जा रही है। सरकार के सकारात्मक प्रयासों से राज्य के युवाओं को अधिक से अधिक रोजगार प्रदान किया जाएगा। इसी तर्ज पर आज परेड ग्राउंड देहरादून में लगभग 15 हजार युवा उत्तराखंड रोजगार एवं उद्यमिता की ओर कार्यक्रम में शामिल हुए। कार्यक्रम के माध्यम से युवाओं को स्वरोजगार की तकनीकी जानकारियां उपलब्ध कराई गई। उन्होंने कहा कि एसे कार्यक्रम प्रदेश के अन्य जनपदों में भी संचालित किये जाएंगे। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड मूल के राष्ट्रीय और बहुराष्ट्रीय कम्पनियों में सीईओ से लेकर अन्य विशेषज्ञों तक 29 हजार से अधिक प्रतिभाशाली युवाओं से वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से बातचीत कर अपना उत्तराखंड कैसा हो को लेकर विस्तार से चर्चा की। इस दौरान युवाओं ने मुख्यमंत्री उन्होंने संवाद भी किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि शीघ्र ही मसूरी में 300 करोड़ की लागत रोपवे का निर्माण कार्य किया जाएगा। जिससे देहरादून से मसूरी की दूरी मात्र 11 मिनट में ही मसूरी पहुंचा जाएगा। उन्होंने कहा कि केदारनाथ, नीलकंठ, मुक्तेश्वर आदि स्थान में भी रोपवे निर्माण को लेकर सर्वे किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड में स्वास्थ्य के क्षेत्र में कई योजनाएं मील का पत्थर साबित होंगी। जिसमें टैली मेडिसिन, टैली कार्डियोलॉली आदि योजनाएं शामिल हैं। स्वास्थ्य सेवाओं को बेतहर करने के लिए सरकार डाक्टरों की तैनाती कर ली है। इसके अलावा राज्यवासियों को बेहतर हैल्थ कवर देने के लिए अटल आयुष्मान उत्तराखंड स्वास्थ्य योजना से आच्छादित किया गया है। ऐसी योजना लांच करने वाला उत्तराखंड पूरे देश में प्रथम राज्य बन गया है।

उन्होंने कहा कि राज्य के मेधावी बच्चों को उत्कृष्ट शिक्षा देने के लिए आवासीय विद्यालयों की स्थापना की जा रहा है। इसी तर्ज पर जयहरीखाल में आवासीय विद्यालय बनाया गया है। इसमें गरीब और मेधावियों को कम फीस में बेहतर शिक्षा प्रदान की जायेगी। इन विद्यालयों को आधुनिक लर्निंग उपकरणों से जोड़ा जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि फिल्म इंडस्ट्री के नामचीन लोगों को राज्य में फिल्म निर्माण करने हेतु आमंत्रित किया जा रहा है। कई नामचीन निर्देशकों में अपने राज्य में फिल्म की सूटिंग करने की सहमति भी दी है। सरकार और फिल्म इंडस्ट्री के बीच कुछ औचारिकताएं पूरी करने के बाद यहां फिल्म शूटिंग की प्रकियाएं भी सम्पन्न होंगी। जिससे युवाओं को रोजगार और पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने सभी लोगों से राज्य हित में कार्य करने का आव्हान किया।

इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री एवं क्षेत्रीय विधायक डा0 हरक सिंह रावत ने मुख्यमंत्री द्वारा क्षेत्र के विकास के लिये की गई घोषणाओं को लेकर उनका आभार जताया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि कोटद्वार – मेरठ फोरलेन से जुड़ने के बाद कोटद्वार– दिल्ली की दूरी महज दो घण्टे में ही तय होगी। साथ ही जयहरीखाल–हरिद्वार तक

फोरलेन बनने के बाद जौलीग्रांट–कोटद्वार की दूरी एक घण्टे में पूरी हो जायेगी। उन्होंने कोटद्वार में टूरिज्म सेंटर तथा डियर पार्क जू निर्माण का शीघ्र निर्माण की बात कही। कहा कि केंद्र सरकार से डियर पार्क निर्माण की औपचारिकताओं को पूर्ण करने का कार्य भी अंतिम चरण में है।

इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष शैलेन्द्र सिह बिष्ट, प्रदेश मंत्री राजेन्द्र सिह अन्थवाल, उमेश त्रिपाठी, जिलाधिकारी धीराज सिह गर्ब्याल,वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक दिलीप सिह कुवर सहित जनप्रतिनिधि, गणमान्य व्यक्ति, अधिकारी एवं आम जनमानस उपस्थित थे।

जिला सूचना कार्यालय पौड़ी से प्राप्त प्रेस विज्ञप्ति के आधाार पर।

सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग

देहरादून 06 मार्च, 2019 (सू.ब्यूरो) **प्रेस नोट–08(03/34)**

राज्य सरकार की ''युवा उत्तराखण्ड–उद्यमिता एवं रोजगार की ओर'' पहल के तहत बुधवार को वित मंत्री श्री प्रकाश पंत ने परेड ग्राउण्ड में आयोजित कार्यक्रम में बड़ी संख्या में उपस्थित युवाओं से परिचर्चा की। कार्यक्रम के दौरान लघु उद्योग, उद्यमिता विकास एवं सम्बन्धित क्षेत्रों में सरकार द्वारा किये जा रहे प्रयास, सरकार की नीतियों एव सम्बन्धित क्षेत्रों में स्वरोजगार एवं रोजगार के अवसरों पर चर्चा की गई। वित मंत्री श्री प्रकाश पंत ने कहा कि उद्यमशीलता के लिए सकारात्मक दृष्टिकोण होना जरूरी है। समाज के विभिन्न लोग अलग–अलग दृष्टिकोण से व्यक्ति की योग्यता का आंकलन करते है। अपने अन्दर छिपी हुई क्षमता को पहचाने तथा उसे निखारने का निरन्तर प्रयास करे। हमारा भारत का संविधान बिना किसी भेदभाव के सभी नागरिकों को अवसर की समानता प्रदान करता है। युवाओं को अपने अन्दर की क्षमताओं को विकसित करने की आवश्यकता है। हम संविधान के उद्येशिका के आधार पर सबको समान अवसर देने का प्रयास कर रहे है। राज्य सरकार ने गत 2 वर्षो के भीतर लगभर 31871 युवाओं की कैरियर काउंसिलिग की है। राज्य सरकार के राज्यभर में 588 कैरियर काउंसिलिंग सेन्टर स्थापित है। हमने आपके अन्दर की क्षमताओं, कौशल को पहचनाकर आपकों रोजगार व स्वरोजगार के लिए प्रोत्साहित किया। माननीय मुख्यमंत्री जी की पहल पर इस ''युवा उत्तराखण्ड–उद्यमिता एवं रोजगार की ओर'' कार्यक्रम में 12000 से अधिक युवाओं ने प्रतिभाग किया। वित मंत्री ने युवाओं से इस अवसर का अधिकाधिक लाभ उठाने की अपील की। उन्होंने कहा कि युवा कृषि, पर्यटन, स्टार्ट अप के माध्यम से लघु उद्योग आदि किसी भी क्षेत्र में जाना चाहे उनके लिए सभी क्षेत्रों में अवसर खुले है। आवश्यकता मात्र दृढ़ इच्छाशक्ति की है। सरकार द्वारा मुद्रा योजना के तहत लगभर 1000 करोड़ रूपये से अधिक का ऋण 61000 युवाओं में वितरित किया गया। ऐसे युवा स्वरोजगार के साथ ही अन्य लोगों को रोजगार के अवसर भी प्रदान कर रहे है। राज्य में पर्यटकों के संख्या बढ़ती जा रही है। पर्यटन क्षेत्र में युवाओं के लिए असीम सम्भावनाएं है। राज्य सरकार स्वरोजगार को प्रोत्साहित करने के लिए युवाओं को हर संभव सहायता प्रदान कर रही है।

इस अवसर पर प्रमुख सचिव श्रीमती मनीषा पंवार ने कहा कि राज्य की अर्थव्यवस्था में 45 प्रतिशत से अधिक योगदान एमएसएमई क्षेत्र का है। अतः युवाओं के लिए इस क्षेत्र में अच्छी संभावनाएं है।

सचिव श्रीमती राधिका झा ने राज्य सरकार की वैकल्पिक ऊर्जा के क्षेत्र में स्वरोजगार व उद्योगों को प्रोत्साहित करने वाले नीतियों से युवाओं को प्रस्तुतिकरण के माध्यम से अवगत कराया।

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित युवाओं ने स्टार्ट अप से सम्बन्धित कई प्रश्न किए जिनका त्वरित निराकरण उद्योग विभाग के अधिकारियों व उद्योगपतियों द्वारा किया गया।

इस अवसर पर उच्च शिक्षा मंत्री डा0 धन सिंह रावत, निदेशक उद्योग श्री सुधीर नौटियाल, उद्योगपति डा0 कमल किशोर शर्मा, श्री के एस भाटिया भी उपस्थित थे।

देहरादून 06 मार्च, 2019 (सू.ब्यूरो) **प्रेस नोट–07(03/33)**

परेड ग्राउण्ड में आयोजित ''युवा उत्तराखण्ड उद्यमिता एवं रोजगार की ओर'' कार्यक्रम–2019 के अन्तर्गत सेक्टोरल सेशल–प्रथम में कृषि एवं कृषि सम्बन्धित क्षेत्र/सहकारिता विषय पर परिचर्चा की गयी, जिसमें मा0 कृषि मंत्री उत्तराखण्ड सरकार सुबोध उनियाल ने अध्यक्ष के रूप में तथा मा0 राज्य मंत्री उत्तराखण्ड डॉ धन सिंह रावत और मा0 विधायक विकसनगर मुन्ना सिंह चौहान द्वारा विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रतिभाग किया गया। परिचर्चा का संचालन सचिव सहकारिता आर मीनाक्षी सुन्दरम और सचिव कृषि डी सेंथिल पाण्डियन द्वारा किया गया तथा कृषि क्षेत्र में बड़ा योगदान देने वाले तथा इस क्षेत्र के अनुभवी विशेषज्ञों द्वारा उपस्थित युवाओं से अपने अनुभव और विचार साझा करते हुए उन्हें कृषि सैक्टर में स्वयं का उद्यम स्थापित करने की प्ररेणा दी।

परिचर्चा की शुरूआत करते हुए सचिव कृषि डी सेन्थिल पाण्डियन ने कहा कि उत्तराखण्ड में मशरूम उत्पादन, पुष्प उत्पादन, ऐरोमैटिक , मधुमक्खी पालन, सीड उत्पादन, जैविक खेती, बागवानी इत्यादि में आपार संभावनाएं हैं। हमें उत्तराखण्ड में खेती को बढावा देने के लिए इण्टिग्रेटेड फार्मिंग की जरूरत है, जिससे बिखरी लैण्ड, बिखरा मानव संसाधन और बिखरे संसाधनों को एक जगह पर केन्द्रित करत हुए हम न केवल जैविक खेती को बढा सकते हैं बल्कि उत्तराखण्ड के परम्परागत बीज–फसल को भी बचाने के साथ ही खेती से जुड़े लोगों की आर्थिकी भी बढा सकते हैं। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि हम खेती में इस तरह की तकनीक के विकास पर जोर दें, जो किसानों को खेती करने में अधिक आसान हो सकती हैं और खेती को व्यवसाय के तौर पर लेने से खेती–किसानी का भला हो सकता है। कृषि विशेषज्ञों द्वारा युवाओं को परिचर्चा के दौरान अपने अनुभव साझा करते हुए खेती से जुड़े उद्यम स्थापित करने की आरे प्रेरित किया। आईआईएम काशीपुर के प्रो0 डॉ0 वैभव भमोरिया ने कहा कि आज खाना सब खाना चाहते हैं, किन्तु खेती कोई नही करना चाहता। उन्होंने कहा कि खेती नयी तकनीक से करने और बेरोजगार युवाओं को इससे जोड़ने से बात बनेगी। ग्रीन पिपिल एण्ड गोट विलेज के संस्थापक रूपेश राय ने कहा कि सब कुछ तीन चीजों पर टिका है साफ जमीन, साफ पानी और हवा और ये तीनों चीजें उत्तराखण्ड में मौजूद हैं। कौशल्या फाउण्डेशन से कौशलेन्द्र कुमार ने कहा कि खेती ऐसा क्षेत्र है, जिसमें आप सबसे कम पढाई से भी उद्यम लगा सकते हो और किसी भी अन्य क्षेत्र से अधिक पैसा कमा सकते हो। दुर्गम क्षेत्र चकराता के त्यूनी तहसील से आये प्रोग्रेसिव किसान प्रेमचन्द शर्मा ने कहा कि खेती से जुड़ने के लिए किसी डिग्री विशेष की जरूरत नही है जो भी जैसा भी खेती में सब तरह के लोगों की जरूरत है। सरकार तमाम योजनाओं के द्वारा अनेक प्रोत्साहन

दे सकती है और दे रही है, किन्तु बिना लोगों के सहयोग के बेहतर परिणाम नही निकल सकते। उन्होंने कहा कि अटाल ग्राम पंचायत ने अकेले इस वर्ष लगभग सवा दो करोड़ के केवल टमाटर के उत्पादन से पैसा कमाया है।

विकासनगर विधायक मा0 मुन्ना सिंह चौहान ने उपस्थित युवाओं को संदेश दिया कि कोई भी देश और समाज तब तक प्रगति नही कर सकता जबतक उसे अपनी कमजोरी और अपनी मजबूती का पता ना हो। उन्होंने कहा कि जहां तक उत्तराखण्ड की मजबूती की बात है तो शुद्ध आवोहवा, पानी, मेहनती मानव संसाधन, विविधताभरी, जलवायु और भौगोलिक स्वरूप हमारी ताकत हैं। वही पहाड़ के किसानों के लिए उचित मार्केटिंग, प्रशिक्षण, जानकारी, बिचौलियों की उपस्थिति, आपदा की मार, जानवरों से खेती को नुकसान इत्यादि हमारी वीकनेस है, इसी को ध्यान में रखते हुए हमारी वर्तमान सरकार कार्य कर रही है और अनेक तरह से किसानो और काश्तकारों के कल्याण के लिए योजना चला रही हैऔर कुछ प्रयासों की और करने की भी जरूरत है। उन्होने 'मार्किटेबल सरप्लस' के माध्यम से खेती काके लाभ का सैक्टर बनाने की वकालत करते हुए युवाओं को खेती–बाड़ी से जुड़ने की प्ररेणा दी। उन्होने कहा कि 'वैराईटी सीड' को प्रमोट करते हुए भी हम उत्तराखण्ड को नयी ऊंचाईयों पर ले जा सकते हैं।

मा0 कृषि मंत्री सुबोध उनियाल ने अपने संबोधन में कहा कि उत्तराखण्ड सरकार किसानों को हर तरह का तकनीकी, नीतिगत और आर्थिक सहयोग प्रदान कर रही है और युवाओं को उत्तराखण्ड में ऐसे उद्यम स्थापर पर जोर देना होगा, जिसकी मांग न केवल उत्तराखण्ड में है बल्कि देश–विदेश में भी है। उन्होंने कहा कि उत्तराखण्ड सरकार स्वैच्छिक चकबन्दी, वैल्यु एडिशन, आर्गेनिक खेती, बागवानी, ऐरोमैटिक, मशरूम उत्पादन इत्यादि को बढावा देने के लिए 1 लाख रू0 तक का व्यक्तिगत जबकि 5 लाख रू0 तक सामुहिक कृषि ऋण बिना ब्याज के दे रही है और गावों में खेती बाड़ी को संवारने के लिए 'आई.एम.ए विलेज' नाम से गांव का स्थानीय मौलिक चीजों को प्रोत्साहित करते हुए विकास कर रही हैं। उन्होंने युवाओं को खेती से जुड़कर इसमें अपना उद्यम स्थापित करते का संदेश दिया।

इस अवसर पर द गोल्डन टास्क से सुमित लकोटिया, जैविक खेती विशेषज्ञ मनोज जोशी, स्वाती पाण्डेय, मनमोहन भारद्वाज आदि विशेषज्ञों ने भी अपने अनुभव साझा करते हुए युवाओं को खेती से जुड़े उद्यम स्थापित करने का संदेश दिया।

सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग

देहरादून 06 मार्च, 2019 (सू.ब्यूरो) प्रेस नोट–06(03/32)

मुख्यमंत्री श्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत ने इंडोनेशिया में आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय पैरा सिटिंग वॉलीबॉल प्रतियोगिता में भाग लेने वाली भारतीय टीम के सदस्यों सुश्री शबाना (निवासी रामनगर), सुश्री रेखा (निवासी ऊधम सिंह नगर) तथा सुश्री त्सेरिंग चोएक्यी (निवासी देहरादून) को 45–45 हजार की आर्थिक सहायता प्रदान की है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे प्रदेश में प्रतिभाओं की कमी नहीं है। हमारे युवा हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर प्रदेश का नाम रोशन कर रहे हैं। हमारे युवा विभिन्न खेलों में भी अपनी भागीदारी कर रहे हैं। हमारी ये प्रतिभायें समाज के लिये प्रेरणा का भी कार्य कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री श्री त्रिवेन्द्र ने इन तीनों खिलाड़ियों को शुभकामना देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है।

सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग

देहरादून 06 मार्च, 2019 (सू.ब्यूरो) प्रेस नोट–05(03/31)

इकबालपुर नहर निर्माण की स्वीकृति के लिए हरिद्वार के किसानों ने मुख्यमंत्री का किया सम्मान जताया आभार

मुख्यमंत्री श्री त्रिवेंद्र सिंह रावत ने कहा कि केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा किसानों के हित में अनेक निर्णय लिए गए हैं। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के तहत किसानों को साल में 6 हजार रूपये प्रदान किए जा रहे हैं इससे देश के 12 करोड़ किसानों को सीधा लाभ मिल रहा है। इस योजना में उत्तराखंड के सात लाख किसानों को लाभ होगा। इस योजना में सालाना 75 हजार करोड़ रूपए व्यय होंगे। यह सतत मिलने वाली सहायता होगी इससे किसान खाद एवं बीज आदि की तात्कालिक व्यवस्था करा सकेंगे। उन्होंने कहा कि किसानों के हित में स्वामिनाथन रिपोर्ट को सरकार ने लागू कर फसलों के समर्थन मूल्य में डेढ़ गुना वृद्धि की है। किसानों की आय दोगुनी करने के भरसक प्रयास हो रहे हैं पहली बार 22 फसलों का न्यूनतम समर्थन मूल्य लागत से डेढ़ गुना बढ़ाया गया। किसानों के लिए नीम कोटेड यूरिया उपलब्ध करवाया मिट्टी की उर्वरता के लिए सॉइल हेल्थ कार्ड जारी किए फसलों के खराब होने की दशा में फसल बीमा योजना से किसानों के नुकसान की भरपाई हो रही है।किसानों को फार्म मशीनरी बैंक द्वारा कृषि उपकरणों पर 80: तक छूट दी जा रही है। किसानों से अनाज की पारदर्शी ऑनलाइन खरीद हो रही है गन्ना किसानों के बकाया का 100 प्रतिशत भुगतान किया गया है। निजी चीनी मिलों को गन्ना किसानों के भुगतान हेतु सॉफ्ट लोन की व्यवस्था की गयी है, गन्ना किसानों को 4रूपये प्रति कुन्तल की भी सहायता दी जा रही है।

मंगलवार को देर सांय जनपद हरिद्वार में इकबालपुर नहर की स्वीकृति के साथ ही किसानों के हित में लिए गए विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं को लागू करने के लिए रुड़की, बहादराबाद व भगवानपुर के किसानों द्वारा मंगलवार को मुख्यमंत्री आवास स्थित जनता मिलन हॉल में मुख्यमंत्री श्री त्रिवेंद्र सिंह रावत को सम्मानित कर उनका आभार जताया।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री त्रिवेन्द्र ने कहा कि हरिद्वार में इकबालपुर नहर का प्रस्ताव उत्तराखण्ड व उ0प्र0 द्वारा संयुक्त रूप से तैयार कर भारत सरकार को भेजा गया। 1100 करोड़ की इस योजना को स्वीकृति प्रदान कर दी गई है। इसमें दोनो प्रदेश 550–550 करोड़ की धनराशि का व्यय वहन करेंगे। तथा इससे इस क्षेत्र की खेती को पर्याप्त सिंचाई हेतु पानी की उपलब्धता सुनिश्चित होगी।उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा गेहूं का न्यूनतम समर्थन मूल्य 1840 रूपए प्रति क्विंटल है। राज्य सरकार इसके अतिरिक्त प्रदेश के किसानों को उनके व्यापक हित में गेहूं पर 20 रूपए प्रति क्विंटल अतिरिक्त बोनस की राशि प्रदान करेगी।

मुख्यमंत्री श्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत ने कहा कि वर्तमान में श्रमिकों में 90 प्रतिशत से अधिक असगंठित क्षेत्र में हैं। इन श्रमिकों की प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने सुध ली है। ऐसे श्रमिक जिनकी उम्र 18 से 40 साल के बीच है और मासिक कमाई 15,000 रुपये से कम है, वो सभी इस योजना से जुड़ सकते हैं। सभी कामगार जो घरों में सेवक के रूप में काम कर रहे हैं, कबाड़ से आजीविका कमाते हैं, खेत में मजदूरी कर रहे हैं, सड़कों व घरों के निर्माण में लगे हैं, रेहड़ी व ठेले चलाते हैं, बुनकर हैं ऐसे कामों से जुड़े सभी कामगार योजना में शामिल हो सकते है। इस योजना के तहत कामगारों को 60 साल की उम्र के बाद हर महीने 3000 रुपए की मासिक पेंशन दी जाएगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में दीनदयाल उपाध्याय सहकारिता किसान कल्याण योजना में हम किसानों को बिना ब्याज के एक लाख रूपए तक के रेट दे रहे हैं ताकि इनकी इनपुट कॉस्ट कम की जा सके। एग्रो प्रोसेसिंग के लिए कृषक समूह को बिना ब्याज के पांच लाख तक का ऋण दिया जा रहा है। केंद्र सरकार द्वारा उत्तराखंड के लिए 3340 करोड रुपए किस राज्य समेकित सहकारिता विकास परियोजना शुरू की गई है जिसमें कृषि बागवानी पशुपालन सहकारिता में 55 हजार से ज्यादा लोगों को रोजगार से जुड़ा जा सकेगा। पहाड़ी क्षेत्र में बंजर भूमि के उपयोग और इसे फिर से उपजाऊ बनाने के लिए संगत खेती को बढ़ावा दिया जा रहा है वातावरण के हिसाब से फसल विशेष खिले क्षेत्रवार कलस्टर तैयार किए जा रहे हैं पशुपालन दुग्ध उत्पादन मत्स्य पालन बागवानी जैसे कार्यों को भी प्रोत्साहन मिल रहा है।

इस अवसर पर विधायक श्री देशराज कर्णवाल, मुख्यमंत्री के तकनीकि सलाहकार श्री नरेन्द्र सिंह, हरिद्वार सहकारी बैंक के चेयरमेन श्री प्रदीप चौधरी श्री, श्यामवीर सैनी, श्री सुशील चौहान, श्री सुबोध राकेश, क्षेत्र के अनेक ग्राम प्रधान, क्षेत्र पंचायत सदस्य सहित बड़ी संख्या में किसान उपस्थित थे।

सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग

देहरादून 06 मार्च, 2019 (सू.ब्यूरो) प्रेस नोट–04(03/30)

मुख्यमंत्री ने किया बहुप्रतीक्षित देहरादून मसूरी रोपवे का शिलान्यास तथा मसूरी के संयुक्त चिकित्सालय के नवीन भवन का लोकार्पण।

- 300 करोड़ की यह रोपवे परियोजना तीन साल में होगी पूरी।
- फ्रांस की पोमा कम्पनी देगी परियोजना के लिए तकनीकि सहयोग।

- **5.50 कि0मी0 की यह योजना पी0पी0पी0 मोड में होगी संचालित।**
- **रोपवे परियोजना पर्यटकों के आवागमन को बनायेगी सुविधा जनक–कम होगा मसूरी पर यातायात का दबाव ।**
- **मसूरी वासियों तथा पर्यटकों को मिलेगी बेहतर स्वास्थ्य सुविधा।**

मुख्यमंत्री श्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत ने बुद्धवार को मसूरी में लगभग 5.50 करोड़ की लागत से निर्मित संयुक्त चिकित्सालय के भवन का लोकार्पण करने के साथ ही नगरपालिका परिसर मे बहुप्रतीक्षित देहरादून मसूरी रोपवे का शिलान्यास किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह रोपवे विश्व के 5 सबसे लम्बे रोपवे में से एक होगा। लगभग 300 करोड़ की लागत की यह 3 साल में बनकर तैयार होगी, पी0पी0पी0 मोड में संचालित इस रोपवे के निर्माण में इस क्षेत्र की दक्षता प्राप्त विश्व स्तर की अनुभवी फ्रांस की पोमा कम्पनी तकनीकि सहयोग देगी। इस रोपवे के बन जाने के बाद पुरूकुल से मसूरी की दूरी 10–12 मिनट में तय होगी तथा रोपवे एक बार में 1000 से 1200 लोग इससे आ जा सकेंगे, इससे मसूरी के सौन्दर्य के प्रति और अधिक पर्यटक आकर्षित होंगे तथा उन्हें बेहतर सुविधायें भी मिल सकेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि रोपवे तक पर्यटको को जाने के लिए रेलवे स्टेशन व हवाई अड्डे पर एसी व्यवस्था सुनिश्चित की जाये ताकि प्र्यटकों को और बेहतर सुविधा व सहायता उपलब्ध हो सकें। उन्होंने कहा अनुभवी फर्म को इसके निर्माण की जिम्मेदारी देने से पर्यटकों में सुरक्षा का भाव भी बना रहेगा।

मुख्यमंत्री श्री त्रिवेन्द्र ने कहा कि मसूरी की यातायात समस्या के समाधान के लिए हाथी–पांव के साथ ही राजावाला डोगा के साथ ही चामासारी व क्यारा–धनोल्टी सड़क का निर्माण किया जा रहा है। इससे भी मसूरी के यातायात के दवाब को कम किया जा सके।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मसूरी में पार्किंग की बड़ी समस्या है। इसके लिए जेपी होटल व लोकनिर्माण विभाग के समीप स्थान चिन्हित किया गया है। मसूरी में हाईटेक पार्किंग योजना पर भी कार्य किया जायेगा। उन्होंने कहा कि भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए पार्किंग की व्यवस्था हेतु निजि भूस्वामियों से भूमि के प्रस्ताव देने को कहा। उन्होंने कहा कि मसूरी की पेयजल की समस्या के समाधान के लिए 200 करोड़ की योजना का प्रस्ताव भारत सरकार को भेजा गया है।

मुख्यमंत्री ने मसूरी शहर की सड़कों की मरम्मत भी आधुनिक तकनीकि के साथ कराये जाने का आश्वासन दिया। इस अवसर पर विधायक श्री गणेश जोशी, नगरपालिका अध्यक्ष अनुज गुप्ता , मुख्य सचिव श्री उत्पल कुमार सिंह, सचिव स्वास्थ्य श्री नीतेश झा, पोमा कम्पनी के मैनेजिंग डायरेक्टर सैयद तारिक, निदेशक बेंजामिन सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग।

देहरादून 06 मार्च, 2019 (सू.ब्यूरो) **प्रेस नोट–03(03/29)**

उद्यमिता एवं रोजगार की ओर उत्तराखण्ड कार्यक्रम में कैबिनेट मंत्री मदन कौशिक ने कहा कि उत्तराखण्ड डिजिटल प्रदेश बन रहा है। उन्होंने परेड ग्राउंड में आयोजित सूचना प्रौद्योगिकी सेक्टर की अध्यक्षता करते हुए कहा आगामी एक वर्ष में प्रत्येक ग्राम ब्राड बैण्ड सेवाओं से जुड़ जाएगा।

आज प्रदेश ई–क्रांति के दौर से गुजर रहा है। सूचना प्रौद्योगिकी क्रांति के बाद राज्य में नवीन तरिके के रोजगार एवं तकनीक का आगमन हुआ है। यह क्रान्ति युवाओं को परम्परा से हट कर रोजगार का अवसर प्रदान करेगी।

आज जीवन का कोई भी क्षेत्र ऐसा नहीं है जिसमें सूचना प्रौद्योगिकी का उपयोग न हो रहा है। डिजिटल उत्तराखण्ड बनाने के लिए सरकार बड़ी अध संरचना तैयार कर रही है। यह ऐसी अध संरचना है जिसमें राज्य के प्रत्येक नागरिक को सूचना प्रौद्योगिकी के प्रयोग का समान अवसर प्राप्त होगा। आज प्रदेश ई–डिस्ट्रिक्ट परियोजना के चलते प्रदेश के दूर–दराज में बैठा व्यक्ति विभिन्न प्रमाण–पत्र बिना किसी झंझट के प्राप्त कर रहा है।

आज प्रदेश में सेवा श्रम सार्वजनिक योगदान दे रहा है। इसकी दर बहुत तेजी से बढ़ रही है। शिक्षा, चिकित्सा, कृषि ई–कामर्स एवं ई–मण्डी की अवधारणा का उपयोग हो रहा है। आने वाले दिनों में सभी ग्राम पंचायतों में हाई स्पीड इंटरनेट सुविधा दी जाएगी। आज प्रदेश में डिजिटल लाकर लोकप्रिय हो रहा है। इसमें हम अपने विभिन्न प्रमाण पत्र रख सकते हैं। इसे सूचना प्रौद्योगिकी एक्ट की मद्द से वैधानिक रूप दिया जा रहा है।

प्रदेश में गढ़वाली, कुमाऊनी भाषा के विकास की अनेक सम्भावनाएं स्थानीय भाषा के विकास में सूचना प्रौद्योगिकी का प्रयोग किया जा सकता है। प्रदेश में आई.टी.पार्क की स्थापना देहरादून में किया गया है। 60 एकड़ में विकसित पार्क से रोजगार एवं सूचना प्रौद्योगिकी की जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

इस कार्यक्रम में बताया गया कि डिजिटल उत्तराखण्ड की स्थापना, कनेक्टिविटी रहित गांव को डिजिटल बनाने की पहल, रेडियो फ्रीक्वेंसी से दूरस्थ गांव में इंटरनेट पहुचाना। घेस, हिमनी, पीपल कोटी जैसे सीमान्त गांव स्मार्ट विलेज बने। बैलून तकनीक से आपदा में संचार सेवा शुरू। इण्डिया ड्रोन फेस्टिबल–2019 का शुभारम्भ देहरादून में किया गया। इसमें 21 राज्यों के लोगों ने प्रतिभाग किया। देहरादून में देश के पहले ड्रोन एप्लीकेशन प्रशिक्षण एवं अनुसंधान प्रयोगशाला की स्थापना। ड्रोन का बहुआयामी उपयोग–सुरक्षा, सर्वे, आपदा के समय, स्वास्थ्य, क्राउड मैनेमेंट, रेलवे लाइन, नदियों की देख रेख में होगा। डिजिटल इण्डिया के अन्तर्गत केन्द्र सरकार के ई–गर्वमेंट तथा सूचना प्रौद्योगिकी नीतियों को राज्य में लागू किया जा रहा है। सूचना प्रौद्योगिकी विकास एजेंसी के तहत हाईपर कन्वर्जन तकनीक युक्त डाटा सेन्टर, विडियो कान्फ्रेसिंग, ड्रोन तकनीकि पर शोध प्रशिक्षण, साइबर सिक्योरिटी पर प्रशिक्षण सेन्टर की स्थापना की गई है।

इस अवसर पर सचिव सूचना प्रौद्योगिकी आर.के.सुधांशु, निदेशक सूचना प्रौद्योगिकी अमित सिन्हा एवं क्षेत्र के विशेषज्ञ थे।

देहरादून 06 मार्च, 2019 (सू.ब्यूरो) **प्रेस नोट–02(03/28)**

परेड ग्राउंड में आयोजित हो रहे में "युवा उत्तराखण्ड–उद्यमिता एवं स्वरोजगार की ओर" के सेक्टोरल सेशन 4 के अन्तर्गत पर्यटन और इससे संबंधित क्षेत्र पर भी चर्चा हुई।

सत्र के दौरान कैबिनेट मंत्री श्री मदन कौशिक ने कहा कि राज्य सरकार पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए बहुत सी योजनाएं चला रही है। सरकार राज्य के युवाओं के साथ खड़ी है। सरकार की कोशिश है कि राज्य का युवा रोजगार देने वाला बने, इसके लिए पर्यटन एक बहुत बड़ी भूमिका निभा रहा है। पर्यटन में अपार संभावनाओं को देखते हुए राज्य सरकार ने पर्यटन नीति बनाई है। इससे रोजगार तो प्राप्त होगा ही साथ ही पलायन को रोकने में भी मदद मिलेगी।

सचिव श्री अमित नेगी ने कहा कि उत्तराखंड में पर्यटन की दृष्टि से बहुत ही समृद्ध है। कुदरत ने हमें जहां प्राकृतिक सौन्दर्य दिया है वहीं हिमालय, गंगा, यमुना और चारधाम भी उत्तराखण्ड को दिए हैं। हम साहसिक पर्यटन, धार्मिक पर्यटन में अपनी संभावनाएं तलाश सकते हैं। टूरिज्म एक ऐसा क्षेत्र है जो जॉब क्रिएशन के साथ साथ हमारी प्रकृति और संस्कृति दोनों का संरक्षण करता है।

कार्यक्रम के दौरान मुख्य वक्ताओं के रूप में ईगल आई एडवेंचर भीमताल के को–फाउंडर श्री नितेंद्र राणा ने कहा कि एयरो स्पोर्ट्स के क्षेत्र में भीमताल में बड़ी सम्भावनायें हैं। अब पिथौरागढ़, चिन्यालीसौड़, कोटाबाग, मटूंगा और नरेंद्रनगर में भी इसके लिए स्थान चिन्हित कर लिए गए हैं। डिवाइन रिजॉर्ट एंड स्पा ऋषिकेश के प्रबन्ध निदेशक श्री विजय बिष्ट ने अपना व्यवसाय शुरू करने के अनुभव शेयर करते हुए कहा कि उत्तराखण्ड का वातावरण शांतिप्रिय है। लोग ऐसी जगह आने के लिए आकर्षित होते हैं। बस हमें अगर राज्य से बाहर जाना भी हो तो कुछ सीखने के लिए जाएं और वापस आकर अपने राज्य में अपने नए ज्ञान का उपयोग कर राज्य के विकास में योगदान दें। एडवेंचर स्पोर्ट्स पौड़ी के कर्नल मनोज कुमार युवाओं को पर्यटन में नई सोच और नए आइडियास को शामिल करने की बात कही। काणा ताल लिटल जगुआर कैंप के मालिक श्री प्रतीक कालिया ने पर्यटन से जुड़े विभिन्न कार्य क्षेत्रों ट्रैवल एजेंसी, होम स्टे, रिजॉर्ट क्रिएशन, गाइड, क्लाइंबिंग और प्रिग्रिमेज टूरिज्म के क्षेत्र में असीम संभावनाओं पर विभिन्न विद्यालयों से आए छात्र छात्राओं को टूरिज्म से सम्बन्धित गतिविधियों और एक उद्यमी के रूप में स्थापित होने के अपने अनुभवों को साझा किया।

सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग।

राज्य के विकास में भागीदार बनें युवा : मुख्यमंत्री श्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत

- **मुख्यमंत्री ने परेड़ ग्राउन्ड देहरादून में "युवा उत्तराखण्ड–उद्यमिता एवं स्वरोजगार की ओर" कार्यक्रम का शुभारम्भ किया।**
- **प्रदेश भर से आए 10 हजार से अधिक छात्र–छात्राओं ने रोजगार व स्वरोजगार के अवसरों के बारे में जानकारी ली।**
- **52 डिग्री कॉलेजों व विश्वविद्यालयो के छात्र–छात्राएं भी वीडियो कान्फ्रेंसिंग से कार्यक्रम से जुड़े।**

10 हजार से अधिक छात्र–छात्राओं ने प्रतिभाग किया

मुख्यमंत्री श्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत ने परेड़ ग्राउण्ड, देहरादून में "युवा उत्तराखण्ड–उद्यमिता एवं स्वरोजगार की ओर" कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। कार्यक्रम में प्रदेश भर से 10,000 से अधिक विभिन्न क्षेत्रों के छात्र–छात्राओं ने भागीदारी की। 52 डिग्री कॉलेजों व विश्वविद्यालयों के छात्र भी वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से कार्यक्रम में शामिल हुए। पूरे प्रदेश से आए युवाओं ने बड़े उत्साह के साथ राज्य एवं देश में उपलब्ध स्वरोजगार एवं रोजगार के अवसरों से सम्बन्धित जानकारी प्राप्त की।

कार्यक्रम में 50 प्रमुख उद्यमियों को भी आमंत्रित किया गया जिन्होंने राज्य के युवाओं को स्वरोजगार के लिए प्रेरित किया। युवाओं की काउंसिलिंग कर रोजगार से जोड़ने में मदद कि गई। साथ ही स्वंय का उद्यम स्थापित करने के इच्छुक युवाओं का भी मार्गदर्शन किया गया।

मुख्यमंत्री ने युवाओं से किया संवाद

कार्यक्रम में लॉटरी के माध्यम से चयनित कुछ युवाओं ने मुख्यमंत्री श्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत से वन टू वन प्रश्न पूछे जिनका मुख्यमंत्री ने विस्तार से जवाब दिया।

अल्मोड़ा से ईशा जोशी ने पूछा कि राज्य सरकार ने जीरो टॉलरेंस की पॉलिसी अपनाई है, फिर भी जनजीवन में कई रूपों में भ्रष्टाचार है, इसे दूर करने के लिए क्या किया जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भ्रष्टाचार समाज से पूरी तरह से तभी दूर हो सकता है जब हम स्वयं से शुरूआत करें। रिश्वत लेने के साथ रिश्वत देना भी भ्रष्टाचार है। हमें ठान लेना चाहिए कि इस तरह की बात सहन नहीं करेंगे। अगर आप भ्रष्टाचार का कोई मामला देखते हैं तो सरकार को बताएं, ऐसे तत्वों को बख्शा नहीं जाएगा। मुख्यमंत्री ने एक उदाहरण देते हुए कहा कि एक अंधा बेटा युद्ध में जा रहा था। मां ने जब रोका तो उसने कहा कि वह दुश्मन की एक गोली तो कम कर सकता है। हमें ये ही भावना रखनी चाहिए। यह नहीं सोचना चाहिए मैं अकेले क्या कर लूंगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार बनते ही भ्रष्टाचार पर जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई गई। बहुत से लोगों के खिलाफ सख्त कार्यवाही की गई। भ्रष्टाचार न सहन किया है और न ही सहन करेंगे।

बागेश्वर से ज्योति ने पूछा कि पर्यटन कुछ स्थानों तक ही सीमित क्यों है। बागेश्वर में भी बहुत से सुंदर स्थान हैं, वहां पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए क्या किया जा सकता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखण्ड में लगातार पर्यटकों की संख्या बढ़ रही है। हमारे पुराने पर्यटन स्थल सेचुरेटेड हो चुके हैं। हमारी सरकार नए पर्यटन स्थलों का विकास कर रही है। थीम बेस्ड 13 डिस्ट्रीक्ट 13 न्यू डेस्टीनेशन विकसित किए जा रहे हैं। हम कोशिश कर रहे हैं कि हाई एंड टूरिस्ट राज्य में आएं। एडवेंचर टूरिज्म, वाटर स्पोर्ट्स, पर्वतारोहण, विंटर स्पोर्ट्स पर फोकस किया जा रहा है।

टिहरी के नीरज शर्मा ने पूछा कि प्रदेश में पहली बार इन्वेस्टर्स समिट आयोजित की गई। इसके बाद प्रदेश में इसमें आए प्रस्तावों पर क्या प्रगति हुई।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखण्ड मे पहली बार इन्वेस्टर्स समिट आयोजित की गई। इसमें बड़ी–बड़ी कम्पनियों ने प्रतिभाग किया। 1 लाख 24 हजार करोड़ रूपए के एमओयू किए गए। पिछले 5 माह में 13 हजार करोड़ के निवेश पर धरातल पर काम शुरू हो गया है। इससे 20 हजार लोगों को रोजगार मिलेगा।

पौड़ी के इंदू उनियाल ने पूछा कि पलायन आयोग की रिपोर्ट पर सरकार ने क्या किया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पलायन आयोग की रिपोर्ट से हमारे पास यह जानकारी आ गई है कि किस गांव से कितना पलायन हुआ और इसका क्या कारण था। यहां तक कि किस गांव में क्या स्थानीय संसाधन उपलब्ध हैं। इसी रिपोर्ट के आधार पर ग्रोथ सेंटर की परिकल्पना पर काम किया जा रहा है। शिक्षा, स्वास्थ्य व रोजगार पर खासतौर पर फोकस किया जा रहा है।

देहरादून के अभिषेक नैथानी ने पूछा कि राज्य में कनेक्टीवीटी की दिशा में क्या किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सड़क, रेल व एयर कनेक्टीवीटी में बड़ा काम चल रहा है। आज जौलीग्रान्ट एयरपोर्ट देश के प्रमुख शहरों से जुड चुका है। ऑलवेदर रोड़ व ऋषिकेश–कर्णप्रयाग रेल परियोजना पर तेजी से काम चल रहा है। मुजफ्फरनगर–देवबंद–रूड़की रेललाईन से देहरादून से दिल्ली का सफर साढे तीन घंटों में किया जा सकेगा।

देहरादून की प्रियंका बिष्ट ने पूछा कि उत्तराखण्ड आर्गेनिक स्टेट कब बनेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखण्ड का पर्वतीय क्षेत्र वैसे तो डिफाल्ट ही आर्गेनिक है। परंतु सरकार ने अपने स्तर से बड़ी कोशिश की है। 10 हजार आर्गेनिक क्लस्टर चिन्हित किए जा रहे हैं। 27 ब्लॉक को आर्गेनिक घोषित किया गया है। हम उत्पादों के सर्टिफिकेशन की व्यवस्था भी कर रहे हैं।

इससे पूर्व मुख्यमंत्री ने अपने सम्बोधन में कहा कि प्रधानमंत्री जी के मार्गदर्शन और सहयोग से, राज्य के युवाओ को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने कि दिशा मे भी नये कीर्तिमान स्थापित हुए हैं। उत्तराखण्ड में पहली

बार 7, 8 अक्टूबर, 2018 को आयोजित इन्वेस्टर्स समिट ने रोजगार के अनगिनत अवसरों के द्वार खोल दिये। मार्च, 2019 तक साढ़े बारह हजार करोड़ रुपए के निवेश प्रोजेक्ट धरातल पर उतर रहे हैं। प्राकृतिक सौंदर्य से परिपूर्ण और संसाधनों से भरपूर राज्य उत्तराखण्ड मे अवसरों के असंख्य भण्डार मौजूद है। इससे उत्साहित होकर सैकड़ों निवेशकों ने उत्तराखण्ड में रुचि ली।

उत्तराखंड के tourist destinations देश ही नहीं विदेशो मे भी प्रसिद्ध हैं। राज्य मे पलायन रोकने और रोजगार के अवसर उप्लब्ध कराने मे पर्यटन का सबसे बड़ा योगदान है। इसीलिये पर्यटन को उत्तराखंड के लोगों की आजीविका का मुख्य स्रोत बनाने के उद्देश्य से राज्य सरकार ने पर्यटन को उद्योग का दर्जा तो दिया ही है, साथ ही 13 जिलों में 13 नए थीम बेस्ड पर्यटन डेस्टिनेशन भी बनाये जा रहे हैं। साथ ही 5 हजार होम स्टे बनाने का लक्ष्य है जिनमें से 802 नए होम स्टे बनाए जा चुके हैं। सभी होम स्टेज को घरेलू दरों पर बिजली दी जा रही है। साहसिक पर्यटन को लघु एवं सूक्ष्म उद्योगों जैसी सुविधाएं दी जा रही है। मसूरी व केदारनाथ धाम को भी जल्द रोपवे से जोड़ दिया जायेगा। इन निवेशों तथा सरकार की नीतियों के कारण राज्य मे स्वरोजगार को बढ़ावा मिल रहा है।

उत्तराखण्ड की फिल्म पॉलिसी से राज्य मे शूटिंग को बड़ा प्रोत्साहन मिला। परिणाम यह हुआ कि फिल्मों व टीवी सीरियल की शूटिंग से हजारों स्थानीय लोगों को रोजगार मिला। पिछले एक साल में 10 बड़ी फिल्मों की शूटिंग उत्तराखण्ड में हुई। इसके लिए उत्तराखण्ड को बेस्ट फिल्म फ्रेंडली स्टेट का नेशनल अवार्ड भी मिला है।

उत्तराखण्ड के समग्र विकास के लिए पहली बार ग्रोथ सेंटर की परिकल्पना की गई, ये ग्रोथ सेंटर प्रदेश की 670 न्याय पंचायतों में स्थापित होंगे, यहां स्थानीय स्तर पर मौजूद संसाधनों को रोजगार से जोड़ा जाएगा तथा स्थनीय लोगों को रोजगार के भरपूर अवसर उनके घर मे उपलब्ध कराये जायेंगे। अब तक 100 से ज्यादा स्थानों पर ग्रोथ सेंटर शुरू किये जा चुके हैं। ये ग्रोथ सेंटर – मसाले, ऊन, कीड़ाजड़ी, तिमला, पिरूल, शहद आदि पर केंद्रित हैं। हमने विषमताओं को अवसरों में बदलने की कोशिश की है। चीड़ आने वाले समय में प्रदेश में विकास का आधार बनेगा। पिरूल से बिजली बनाने के दिशा में काम किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि शत प्रतिशत प्लेसमेंट के लिये जाने जाने वाले प्लास्टिक इंजीनियरिंगसंस्थान सीपैट का 32वां केंद्र, केंद्र सरकार के सहयोग से डोईवाला, देहरादून मे प्रारम्भ कर दिया गया है। इस संस्थान में 85 प्रतिशत सीटें उत्तराखंड के छात्र–छात्राओ के लिये आरक्षित हैं। युवाओं का कौशल विकास करके उनको स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराने की दिशा मे राज्य सरकार ने बहुत तेज गति से कई ठोस कदम उठाये हैं। ड्रोन एप्लीकेशन सेंटर स्थापित किया गया और पहली बार ड्रोन फेस्टीवल का आयोजन किया गया। ड्रोन तकनीक के क्षेत्र में रोजगार की व्यापक सम्भावनाएं हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमने गरीब सामान्य वर्ग के लोगों के लिए 10 प्रतिशत आरक्षण दिया है। गरीब प्रतिभावान बच्चों के लिए दो मॉडल स्कूल बनाएं जाएंगे। जिसमें पूरा खर्च राज्य सरकार द्वारा किया जाएगा। कृषि मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा 3,340 करोड़ की धनराशि भी स्वीकृत की गयी है। इससे 55 हजार लोगों को रोजगार मिलेगा। किसानों व स्वयं सहायता समूहों को जीरो इंटरेस्ट पर ऋण उपलब्ध कराया जा रहा है। हमारे जलाशय भी एक बड़ा स्त्रोत हैं। इन्हें वाटर स्पोर्ट्स के साथ ही फ्लोटिंग सोलर पावर का प्रमुख संसाधन बनाया जा सकता है। ऊधमसिंह नगर के गूलरभोज जलाशय में यह काम शुरू कर दिया गया है।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री श्री त्रिवेन्द्र ने यह भी जानकारी दी कि अप्रेल 2017 से वर्तमान तक प्रदेश में 3 लाख से अधिक रोजगार के अवसर उपलब्ध कराये गये हैं। जिनमें उद्योग व पर्यटन के क्षेत्र में लगभग 67 हजार, सेवा एवं कौशल विकास के माध्यम से लगभग 68 हजार, कृषि एवं सम्बन्धित क्षेत्रों में 2 लाख से अधिक एवं ऊर्जा क्षेत्र में लगभग 2200 रोजगार एवं स्वरोजगार उपलब्ध कराये गये हैं।

उच्च शिक्षा राज्य मंत्री डॉ. धनसिंह रावत ने कहा कि कार्यक्रम में बड़ी संख्या में युवा पूरे जोश से प्रतिभाग कर रहे हैं। 10 हजार से ज्यादा युवा यहां मौजूद हैं जबकि 52 डिग्री कॉलेजों व विश्वविद्यालयों में भी छात्र कार्यक्रम से जुड़े हैं। उन्होंने कार्यक्रम की जानकारी देते हुए बताया कि चार सत्रों में विभिन्न विषयों पर परिचर्चा आयोजित की जाएंगी। राज्य सरकार 2019 को रोजगार वर्ष के तौर पर मना रही है। कार्यक्रम में 50 से अधिक कम्पनियां प्रतिभाग कर रही हैं। पहली बार युवाओं का इतना बड़ा कार्यक्रम किया गया है।

ओयो के सीईओ श्री आदित्य घोष ने कहा कि दिल में जज्बा हो और आंखों में सपना हो तो कोई भी काम किया जा सकता है। सफल व्यक्ति वही है जिसे देखकर दूसरे लोग प्रेरित हों। जीवन में बहुत सी कठिनाईयां आती हैं बस अपने सपने को याद रखना चाहिए। सपना देखें और उसे पूरा करने के लिए पूरी तरह फोकस होकर काम करें।

सम्पर्क फाउंडेशन के श्री विनीत नायर ने कहा कि उड़ना सीखें। कम से कम कोशिश तो जरूर करनी चाहिए। पर्वतारोही कभी भी चोटी के बारे में नहीं सोचता है, वह केवल अगले कदम के बारे में सोचता है। उन्होंने कहा कि हर व्यक्ति स्पेशल होता है।

कार्यक्रम में केबिनेट मंत्री श्री प्रकाश पंत, श्री मदन कौशिक, डा.हरक सिंह रावत, राज्य मंत्री श्रीमती रेखा आर्या, सांसद श्रीमती माला राजलक्ष्मी शाह, विधायकगण, मुख्य सचिव श्री उत्पल कुमार, डीजीपी श्री अनिल रतूड़ी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे। कार्यक्रम में पद्मश्री प्रीतम भर्त्वाण व एक पर्वतारोही दल को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर यंग उत्तराखण्ड मोबाईल एप्प भी लांच किया गया।

सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग।